88. राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास का वर्णन करें।

→ मानव की सामान्य प्रवृत्ति होती है कि जिस स्थान पर जीवन कठोर होता है, उस स्थान को छोड़कर वह ऐसे स्थान पर चला जाता है जहाँ जीवन तुलनात्मक दृष्टि से सुगम होता है। इसी स्थानांतरण की प्रक्रिया को प्रवास या प्रवसन (MIGRATION) कहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि "migration is an act of movement. It means permanent change of residence." अर्थात व्यक्ति या समूह द्वारा एक स्थान को छोड़कर दूसरे स्थान पर जा कर बस जाने की प्रक्रिया ही MIGRATION कहलाती है। U.N.O. के अनुसार, "This is a geographical process in which Human changed their habitates in stable form."

मानवीय स्थांतरण के अर्थात MIGRATION के कई कारण हो सकते हैं जैसे- प्राकृतिक आपदाएँ मानव निर्मित विपदाएँ, आर्थिक कारण, सामाजिक या सांस्कृतिक संकट, जनसंख्या अधिक्य (OVER POPULATION) इत्यादि। प्रवास या प्रवसन को दो भागों में बाँटा जाता है—

(i) अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास (INTERNATIONAL MIGRATION)
(ii) अन्तर्देशिय प्रवास (INNERCOUNTRY MIGRATION)

(i) INTERNATIONAL MIGRATION :- जब एक देश के मनुष्य दूसरे देश को चले जाते हैं तो इसे अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास की संज्ञा दी जाती है। उदाहरण के लिए, चीन के लोग इंडोनेशिया और वियतनाम में जा कर बस गए हैं। भारत बंगलादेश और पाकिस्तान के बीच जो जनसंख्या प्रवास हुआ वह भी INTERNATIONAL

Scanned with CamScanner

MIGRATION का ही उदाहरण है। INTERNATIONAL MIGRATION को मुख्यतः दो भागों में बाँटा जाता है –

(A) MIGRATION OF BEFORE IInd WORLD WAR

(B) MIGRATION OF AFTER IInd WORLD WAR

(A) BEFORE IInd WORLD WAR :- द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व प्रवास का मुख्य कारण PUSH AND PULL FACTORS का प्रभाव था। PUSH FORCE के द्वारा जनसंख्या दूसरी जगह स्थांतरित होती थी जबकि PULL FORCE के द्वारा जनसंख्या वहाँ आती थी। mobility के प्रमुख क्षेत्र यूरोपिय देश थे। वहाँ पर जनसंख्या का दबाव अधिक था इसलिए वहाँ से लोग स्थांतरित हो कर अमेरीका, आस्ट्रेलिया आदि स्थानों को गए क्योंकि वहाँ की जलवायु यूरोपियनों के अनुकूल थी। द्वितीय विश्वयुद्ध के पूर्व के जनसंख्या प्रवास को निम्नलिखित तीन भागों में बाँटते हैं –

(1) VOLUNTARY MIGRATION :- 1939 ई० से पूर्व तक यूरोपिय जनसंख्या का जो भाग स्वयं अपनी मर्जी से या सरकारी प्रोत्साहन के कारण अमेरीका व आस्ट्रेलिया में जा कर बस गया। उसे ही VOLUNTARY MIGRATION के अन्तर्गत रखा जाता है।

(2) FORCED MIGRATION :- सामाजीक, राजनैतिक या आर्थिक उत्पीड़न के कारण जनसंख्या का जो स्थांतरण हुआ उसे FORCED MIGRATION कहा जाता है जैसे नाजीवादी शासन के दौरान जर्मनी से यहूदियों का स्थांतरण।

(3) LABOUR MIGRATION :- यूरोप एवं एशिया से मध्य अमेरीका, अफ्रीका व हिन्दमहासागरीय द्वीपों में जो स्थांतरण हुआ उसे LABOUR MIGRATION कहा जाता

Scanned with CamScanner

है। क्योंकि इसका मूल कारण श्रम की जरूरत ही थी।

(B) MIGRATION OF AFTER IInd WORLD WAR :- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जनसंख्या के स्थांतरण में कमी हुई। अधिकतर देशों में ANTI MIGRATION ACT लागू किया गया। इसके बावजूद MIGRATION होता रहा है, लेकिन इसकी मात्रा और गति में कमी जरूर आई है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के MIGRATION को निम्नलिखित चार भागों में बाँटा जाता है —

(1) बुद्धिजीवियों का प्रवास :- इसे BRAIN DRAIN MIGRATION भी कहा जाता है। कम विकसित देशों में जिन प्रतिभा सम्पन्न वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, इंजीनियरों आदि को उचित पारिश्रमिक या सम्मान नहीं मिल पाता है वे अधिक पारिश्रमिक के खातिर विकसित देशों में चले जाते हैं। यही BRAIN DRAIN MIGRATION है।

(2) POLITY INSPIRED MIGRATION :- इस प्रकार का MIGRATION बहुत सीमित है। इसमें POLITICAL PROBLEMS के कारण लोग दूसरे देशों में जाते हैं। जैसे - ताइवान से चीन तथा चीन से ताइवान को स्थांतरण इसी तरह का था।

(3) LABOURS MIGRATION :- इसके अन्तर्गत लोग रोजगार की तलाश में एक देश से दूसरे देशों को जाते हैं। जैसे - भारत से बहुत लोग खाड़ी देशों में रोजगार हेतु जाते हैं।

(4) MIGRATION BY CULTURAL FACTORS :- इस प्रकार के MIGRATION में लोगों का स्थांतरण राजनैतिक, धार्मिक एवं सामाजिक

उत्पीड़न के कारण हुआ है। तिब्बत से भारत आए बौद्ध शरणार्थी इसी के उदाहरण हैं।

(ii) INNERCOUNTRY MIGRATION :- किसी देश के अन्दर ही लोग जब एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में या एक राज्य से दूसरे राज्य में जा कर बस जाते हैं तो इस तरह के स्थानांतरण को अन्तर्देशिय प्रवास कहा जाता है। इस प्रकार के MIGRATION के मूल में ECO-NOMICAL PROBLEMS ही होते हैं। जिस क्षेत्र में रोजगार के अच्छे अवसर नजर आते हैं लोग वहाँ जा कर बसने लगते हैं। जैसे - भारत में गंगा के मैदानी भागों से लोगों का कलकत्ता व छोटानागपुर के खनिज एवं औद्योगिक प्रदेशों में स्थानांतरण होता है। भारत में ही बिहार एवं उत्तर प्रदेश से श्रमिक पंजाब व दिल्ली में स्थांतरित हुए हैं। महाराष्ट्र व असम में असुरक्षित वातावरण के कारण वहाँ से उत्तर भारतीयों का स्थानांतरण भी अन्तर्देशीय प्रवास का उदाहरण है।